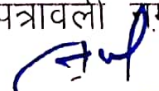


27-08-19

प्रार्थी के अधिवक्ता उपस्थित। अप्रार्थीगण के अधिवक्ता उपस्थित। उभय पक्षकारान के अधिवक्तागण की बहस सुनी गई। अधिवक्ता प्रार्थी न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण सं. 20/2014 प्रार्थी एवं उनके अधिवक्ता की अनुपस्थिति में खारिज किया गया है। प्रार्थी मजदूरी करने हेतु बाहर गया हुआ था तथा अधिवक्ता प्रार्थी अन्य कार्यों में व्यस्त होने के कारण उपस्थित नहीं हो सकें; प्रार्थी जानबूझकर न्यायालय में अनुपस्थित नहीं रहा है तथा प्रार्थी के इस प्रकरण में सीधे तौर से हित प्रभावित हो रहे हैं, ऐसे में सहानुभूतिपूर्वक विचार कर प्रकरण पुनः बरामद किया जावे।

अधिवक्ता अप्रार्थीगण ने जवाब में प्रकट किया कि प्रार्थी व उनके अधिवक्ता जानबूझकर उपस्थित नहीं हो रहे थे क्योंकि उन्हें पता था कि प्रस्तुत प्रार्थना पत्र सारहीन एवं आधारहीन हैं। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अप्रार्थीगण को नाहक परेशान करने के लिए प्रस्तुत किया है जो खारिज योग्य है।

हमने दोनों पक्षों की बहस अभिकथनों पर मनन किया तथा पत्रावली का अवलोकन किया। प्रकट तथ्यों के आधार पर प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र प्रार्थी द्वारा जानकारी होने से सम्यक तत्परता से प्रस्तुत किया गया है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता द्वारा बुनवाई तिथि को उपस्थित होकर पैरवी नहीं करने के कारण प्रकरण अदम पैरवी में खारिज हुआ है जिसका खामियाजा प्रार्थी को नहीं होना चाहिए। अधिवक्ता अप्रार्थीगण द्वारा प्रकट कथनों पर प्रकरण में मेरीट पर अंतिम विनिश्चय द्वारा निस्तारण किया जा सकेगा। लिहाजा न्यायहित में प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर मूल प्रार्थना पत्र सं. 20/2014 में पारित आदेश दिनांक 11.10.2017 को रिव्यू किया जाकर प्रकरण पुनः बरामद किया जाता है। मूल पत्रावली नम्बर पर कायम होकर दिनांक 01.10.2019 को पेश हों।

  
जिला कलक्टर  
बाड़मेर